पटना | 22 मार्च 1912 को बंगाल से अलग कर बिहार

इस वर्ष आवंटन के लिए नई गाइडलाइन जारी

चूल्हा-शौचालय के साथ मिलेगा इंदिरा आवास

पटना |हिन्दुस्तान ब्यूरो

इस वर्ष बनने वाले इंदिरा आवास पिछली बार की तुलना में काफी अलग होंगे। अब धुआं रहित चूल्हा, शौचालय व बिजली समेत अन्य सुविधाएं भी शामिल होंगी। इन सुविधाओं को अभिसरण (कन्वर्जेन्स) करके सारे आवासों का निर्माण कराया जाएगा। केन्द्र की तरफ से जारी इंदिरा आवास योजना की नई गाइडलाइन में इस बात का उल्लेख किया गया है। इस वर्ष बिहार में 6 लाख 5 हजार 550 आवास बनाने की योजना है।

इंदिरा आवास योजना में इस बार से शौचालय का निर्माण कराना अनिवार्य कर दिया गया है। इनका निर्माण निर्मल भारत अभियान (एनबीए) के तहत करवाया जाएगा। इसके लिए लाभुकों को दस हजार रुपये अलग से दिए जा रहे हैं। इसके अलावा धुआं रहित चूल्हा सभी घरों में बनवाए जाएंगे। पीने के पानी की व्यवस्था सामूहिक या व्यक्तिगत आवास के लिए की जा सकती है।

राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के तहत बिजली का कनेक्शन दिया जाएगा। जहां बिजली नहीं है, वहां सौर ऊर्जा की मदद से घरों को रोशन करने का प्रावधान है। मनरेगा के तहत घर के आसपास किचेन गार्डेन तैयार कराया जाएगा। इंदिरा आवास पाने वाले लाभुकों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना या राज्य स्तरीय स्वास्थ्य बीमा योजना से जोड़ा जाएगा। इंदिरा आवास के लाभुकों को घर बनाने के लिए निर्धारित सहायता राशि के अलावा 20 हजार रुपए अतिरिक्त कर्ज के तौर पर देने का भी प्रावधान है। डीआरआई (डिफरेंसियल रेट ऑफ इंटरेस्ट) नामक इस योजना के तहत दी गई राशि पर पांच फीसदी प्रति वर्ष की दर से ब्याज लगेगा। आरबीआई ने सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों को इस योजना के संबंध में निर्देश जारी किए हैं।

अलग-अलग सुविधाएं बहाल करने के लिए विभिन्न विभागों से सामंजस्य स्थापित किया जा रहा है। इसके लिए ग्रामीण विकास विभाग संबंधित विभागों के साथ बैठक कर रहा है। हालांकि विभागीय अधिकारी इस मामले में कहते हैं कि कन्वर्जेन्स की इस योजना में काफी दिक्कतें हैं।

विभिन्न विभागों को एक साथ लेकर काम करवाना इतना आसान नहीं होगा। ऐसे में लाभुकों को कितनी सुविधाएं मिल पाती हैं, यह देखने वाली बात है। हालांकि इस मामले में विभाग के सचिव अमृत लाल मीणा का कहना है कि इस बार बनने वाले आवासों में कन्वर्जेंस पर खासतौर से ध्यान दिया जा रहा है। सभी संबंधित विभागों से इसके लिए सामंजस्य स्थापित किया जा रहा है।

मिलेगी राहत

- राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना के तहत बिजली भी मिलेगी
- जहां बिजली नहीं वहां सौर ऊर्जा से रोशन होंगे घर
- इस वर्ष 6 लाख 5 हजार 550 आवास निर्माण की योजना
- मनरेगा के तहत किचेन गार्डेन, 20 हजार तक कर्ज